लापरवाही

जाम गंदगी से रोज होना पड़ रहा दो चार

कैंट : सब्जी मंडी के बाहर भी सज रही दुकानें

जबलपुर, नवभारत। नगर प्रशासन की लाख कोशिशों के बावजूद शहर की सूरत संवरने का नाम नहीं ले रही है। इसकी बानगी कैंट क्षेत्र स्थित गणेश चौक से मोदीवाडा मार्ग पर देखने को मिली। छावनी परिषद द्वारा यहां लाखों रुपए खर्च कर सब्जी मंडी सड़क किनारे बनाई गई थी। जहां आमजन अपने वाहनों को किनारे खड़े कर आराम से खरीदारी कर सकते थे। लेकिन समय के इस मार्ग पर फुटकर और छोटे व्यापारियों ने मंडी के बाहर मुख्य सड़क पर कब्जा कर दुकानें सजा ली है। लिहाजा अब इस मार्ग पर आए दिन जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। वही इस मार्ग पर अब गंदगी भी फैलने लगी है। बता दे कि सबसे ज्यादा परेशानी गणेश चौक से लाल स्कूल और मोदीबाड़ा मार्ग पर होती है। बस स्टैंड और मुख्य बाजार में होती है। यहां सड़क के दोनों ओर फुटपाथ भी नहीं बनाए गए हैं बाबजूद इसके व्यापारियों में मुख्य मार्ग पर ही अपनी दुकानें सजा ली है।

लग रहा है बट्टा

भले ही छावनी परिषद ने मंडी बनाने पर लाखों रुपए खर्च कर दिए हो लेकिन दिन-ब-दिन बढ़ता अतिक्रमण इसकी खूबसूरती पर बट्टा लगा रहा है। गणेश चौक ही नहीं कैंट क्षेत्र की अन्य सड़को के दोनों और लोगों को पैदल पथ के लिए बनाए गए फुटपाथ पर जगह जगह कब्जा हो चुका है। यहां दुकानदारों ने अपने सामान रखकर अतिक्रमण कर लिए हैं। कहीं दुकानों के बाहर पार्किंग बना दी तो कई-कई जगह हाथ ठेला व फुटकर विक्रेताओं अपने स्थाई दुकानें लगा ली है। वहीं सड़कों के किनारे ऑटो मोबाइल की रिपेयरिंग की दुकानें खुल रहीं हैं। इससे आवागमन में बाधा पैदा हो रही है।

कोटा-नागदा मेमू चौमहला स्टेशन तक शॉर्ट टर्मिनेट

जबलपुर, नवभारत। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुनिश्चित परिचालन के लिए गाड़ी संख्या 61616/61615 कोटा-नागदा-कोटा मेमू ट्रेन को शॉर्ट टर्मिनेट किया जा रहा है 15 जून से अगले आदेश तक यह ट्रेन कोटा और नागदा के बीच न चलकर, कोटा और चौमहला स्टेशन के बीच ही संचालित की जाएगी। चौमहला से नागदा के बीच इस ट्रेन की सेवाएँ आंशिक रूप से समाप्त रहेंगी। गाड़ी संख्या 61616 कोटा से चौमहल मेमू ट्रेन प्रतिदिन कोटा से सुबह 07:05 बजे प्रस्थान कर उसी दिन 10:25 बजे चौमहला स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 61615 चौमहला से कोटा मेमू ट्रेन प्रतिदिन चौहमला से 10:45 बजे प्रस्थान कर उसी दिन दोपहर 14:00 बजे कोटा स्टेशन पहुंचेगी।

पार्लर संचालिका-पार्टनर की गोली लगने से मौत

बंद कमरे में मिली खून से सनी दो लाशें, हत्या के बाद आत्महत्या की आशंका जांच में जुटी पुलिस

नवभारत, जबलपुर। गोरखपुर थाना अंतर्गत डॉ. भंडारी अस्पताल के पास स्थित राजुल डुप्लेक्स में ब्यूटी पार्लर संचालिका की गोली मारकर हत्या करने के बाद पार्टनर ने स्वयं पर फायर कर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस, फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम मौका-ए-वारदात पर पहुंच गई और छानबीन शुरू की। बंद कमरे को तोड़कर पुलिस अंदर पहुंची तो वहां का मंजर खौफनाक रहा। खून से सनी लाशें पड़ी हुई थी। पुलिस ने घटनास्थल को तत्काल सील कर अहम साक्ष्य जुटाए। इसके साथ ही मामले को हत्या और सुसाइड से जोड़कर जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, शक्ति कोहली पिता निहाल कोहली 44 वर्ष निवासी नर्मदा रोड रतन कॉलोनी गोरखपुर की ब्यूटी पार्लर का संचालन कर रही थीं। हाल ही में उसने डॉ. भंडारी अस्पताल के पास स्थित राजुल डुप्लेक्स में नया पार्लर खोला था, जिसमें दीपेश राठौर पिता सुरेश राठौर 40 वर्ष निवासी फूटाताल का बिजनेस पार्टनर था। जिसके आपराधिक रिकॉर्ड होने के बारे में पता चलने के बाद शक्ति ने परिजनों की सलाह पर उससे दूरी बनाना शुरू कर दिया था।जिसके बाद दोनों के बीच में हुआ शुरू हो गया था। पांच दिन पहले शक्ति ने पार्टनरशिप खत्म करने की बात कही, तो दीपेश भड़क गया था। इस दौरान भी दोनों के बीच में झगड़ा हुआ। पार्टनरशिप टूटने से नाराज दीपेश लगातार शक्ति के साथ विवाद कर रहा था और उसे जान से मारने की धमकियां दे रहा था। शक्ति सोमवार दोपहर 12:30 बजे साथ में काम करने वाली तमन्ना के घर गई जहां से दोनों राजुल डुप्लेक्स पार्लर का सामान समेटकर किसी दूसरी जगह शिफ्ट होने की तैयारी करने पहुंची। इसी दौरान दीपेश वहां पहुंच गया। दीपेश, शक्ति अंदर चले और दरवाजा बंद कर लिया तमन्ना बाहर मोबाइल में बात करने लगी। इसी बीच दीपेश और महिला के बीच विवाद हुआ इसके बाद गोलियां चली और दोनों की मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर तमन्ना चीख पड़ी । पड़ोसी पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद था। जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने दरवाजे को तोड़ा । जब पुलिस अंदर पहुंची तो कमरे के भीतर दोनों के शव मिले। पास में ही पिस्टल पड़ी थी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीएसपी एम डी नागोतिया ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला आपसी विवाद के बाद हत्या और आत्महत्या का लग रहा है, दीपेन्द्र ने पहले शक्ति को गोली मारी इसके बाद उसने स्वयं पर फायर कर सुसाइड कर लिया है। पुलिस हत्या, आत्महत्या समेत हर एंगल से मामले की बारीकी से तफ्तीश कर रही है। दोनों के मोबाइल, हथियार को जब्त कर लिया गया है।

मां से सोने की चेन-पर्स छीना, बेटी पर चढ़ाई स्कूटी

कठौंदा रोड पर दिनदहाड़े पता पूछने के बहाने लूट

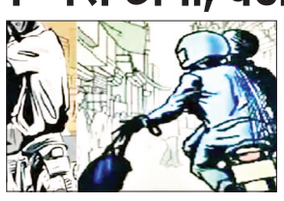

नवभारत, जबलपुर। माढ़ोताल थाना अंतर्गत कठौंदा रोड पर सोमवार को दिनदहाड़े बेखौफ स्कूटी सवार बदमाश ने रास्ता पूछने के बहाने मां-बेटी को रोका और महिला के गले से सोने की पंचाली व नकदी से भरा पर्स छीन लिया। जब बेटी ने मां को बचाने के लिए हाथ में लकड़ी उठाई, तो बदमाश ने उस पर स्कूटी चढ़ा दी और कुचलते हुए भाग निकला। पुलिस के मुताबिक, ग्राम खजरी अधारताल निवासी अनीता चौधरी (42 वर्ष सोमवार अपनी बेटी उमा के साथ पैदल प्रभात नगर जा रही थीं। दोपहर के वक्त जैसे ही दोनों बाईपास से प्रभात नगर कठौंदा रोड मोड़ के पास स्थित ट्रांसफार्मर के पास पहुँचीं, तभी सामने से स्कूटी पर एक शातिर युवक आया।

उसने अनजान बनकर महिला से पता पूछना शुरू किया। महिला कुछ समझ पाती, इसके पहले ही युवक ने झपट्टा मारकर अनीता के गले से सोने की पंचाली और कंधे पर टंगा पर्स लूट लिया। पर्स में 10 हजार रुपये कैश और जरूरी दस्तावेज थे। मां को मुसीबत में देख बेटी उमा ने हिम्मत दिखाई और सड़क किनारे पड़ी लकड़ी उठाकर लुटेरे को रोकने के लिए दौड़ पड़ी। खुद को घिरता देख स्कूटी सवार ने बेरहमी से उमा के दाहिने पैर पर तेज रफ्तार गाड़ी चढ़ा दी। स्कूटी की जोरदार टक्कर से उमा हवा में उछलकर सड़क पर गिर गई। उसके सिर, कमर और दाहिने पैर में गंभीर चोटें आई हैं, उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी स्कूटी से बाईपास की तरफ तेजी से भाग निकला।

आईटी अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

नवभारत,जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान (सीटीआई), जबलपुर में आयोजित एआई एवं मशीन लर्निंग क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस आईटी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण सत्र में मुख्य महाप्रबंधक (आईटी) प्रशांत गुप्ता ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग के मूलभूत सिद्धांतों, विद्युत वितरण क्षेत्र में उनके उपयोग तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनका सत्र अत्यंत संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर हेड कंप्यूटर पद्धति एवं स्वचलन ए.के. सक्सेना द्वारा भी अधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण की रूपरेखा, स्थानीय एआई मॉडल, डेटा विश्लेषण तथा व्यावहारिक अनुप्रयोगों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पायथन, ओलामा तथा स्थानीय एआई प्रॉम्प्ट आधारित कार्यप्रणाली का प्रदर्शन कराते हुए व्यावहारिक अभ्यास कराया गया।

पिस्तौल के दम पर दी थी मारने की धमकी, थाने में नहीं हुई सुनवाई

मृतिका शक्ति कोहली के जीजा शरद जाटव ने संजीवनी नगर थाने की पुलिसिया कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए है। उनकी साली पिछले 20 से 25 वर्षों से ब्यूटी पार्लर इंडस्ट्री में सक्रिय थीं और उन्होंने हाल ही में एक डुप्लेक्स किराए पर लेकर पार्लर खोलने की तैयारी शुरू कर दी थी। जिसमें दीपेश उर्फ दीपेन्द्र राठौर पार्टनर बना, दोनों ने मिलकर एक फ्लैट ले रखा था। शुरुआती दिनों में सब ठीक था, लेकिन जल्द ही इस साझेदारी के पीछे छिपा खौफनाक चेहरा सामने आ गया। पार्टनरशिप शुरू होने के कुछ समय बाद ही महिला के परिवार को पता चला कि दीपेश राठौर साधारण व्यवसाई नहीं, बल्कि एक शातिर और आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। परिवार ने तुरंत महिला को सचेत किया और दीपेश से अलग होने की सलाह दी। महिला ने धीरे-धीरे दूरी बनाना शुरू कर दिया और बातचीत बंद कर दी। यही बात दीपेश राठौर को हजम नहीं हुई। दूरी बनाने से बौखलाया युवक अपनी असलियत पर उतर आया। उसने महिला को धमकाकर प्रताड़ित करना शुरू किया। हद तो तब हो गई जब दीपेश ने महिला के सामने एक लोडेड पिस्तौल और 8 जिंदा कारतूस लहराते हुए सीधे जान से मारने की धमकी दे डाली। शरद का आरोप है कि साली को लेकर संजीवनी नगर थाने पहुंचे। थाने में ड्यूटी पर तैनात एएसआई नेतराम चौधरी को पीड़िता ने रोते हुए अपनी आपबीती सुनाई और लिखित में आवेदन दिया। लेकिन, पुलिस का रवैया ढुलमुल रहा। एएसआई चौधरी ने कार्रवाई करने के बजाय, पीड़िता को न्यायालय जाने की सलाह देकर थाने से टरका दिया। अगर पुलिस ने उसी दिन कार्रवाई कर दी होती तो आज यह घटना नहीं घटती।

ब्लैकमेलिंग, अवैध वसूली कतई बर्दाश्त नहीं होगी : एसपी

जबलपुर। पत्रकारिता की आड़ में ब्लैकमेलिंग और अवैध गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई होगी। ब्लैकमेलिंग, अवैध वसूली कतई बर्दाश्त नहीं होगी। यह बातें पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने कथित फर्जी पत्रकारों की बढ़ती गतिविधियों को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में हुई बैठक में कहीं है। सोमवार को कलमवीर संघर्ष संगठन के नेतृत्व में पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर फर्जी पत्रकारिता के विरुद्ध जांच एवं कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मामलों की शिकायतें बढ़ी हैं जिनमें कुछ लोग बिना वैध मान्यता, पंजीकरण अथवा अधिकृत समाचार संस्थानों से जुड़े बिना स्वयं को पत्रकार बताकर विभिन्न स्थानों पर प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं। अवैध वसूली भी कर रहे है। फर्जी पत्रकारों के खिलाफ प्राप्त शिकायतों और तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई । संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मयंक तिवारी के निर्देश पर जिला अध्यक्ष सृजन शुक्ला के प्रयास पर जिले के वरिष्ठ पत्रकार सच्चिदानंद शेकटकर, प्रदेश अध्यक्ष शुभम् शुक्ला, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संजय साहू, राष्ट्रीय प्रवक्ता सत्यजीत यादव, प्रदेश सचिव सुधीर खरे, वरिष्ठ पत्रकार परितोष वर्मा, हर्षित चौरसिया, आदि उपस्थित रहे ।

नसबंदी के बाद भी तीसरी बार मां बनी गरीब महिला

नवभारत,जबलपुर। शहर की शासकीय जिला चिकित्सालय विक्टोरिया के डॉक्टरों की लापरवाही से एक श्रमिक गरीब महिला की नसबंदी के बाद भी तीसरी बार मां बनने का मामला सामने आया है। मामले में मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लेकर प्रतिवेदन मांगा है। जानकारी के अनुसार दो बच्चे होने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण दुर्गा कॉलोनी, बरगी हिल्स निवासी 26 वर्षीय महिला ने शासकीय जिला चिकित्सालय विक्टोरिया में नसबंदी कराई थी। नसबंदी करा लेने के कुछ समय बाद उसे पुन: गर्भ ठहरने का अहसास हुआ। जब महिला ने तिलवारा स्थित स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराई और मेडिकल कॉलेज में सोनोग्राफी करवायी तो गर्भवती होने की पुष्टि हुई। इसके बाद महिला को गर्भपात करवाने की सलाह अस्पताल द्वारा दी गई, तब तक गर्भ के सात माह हो चुके थे। फेल हुई नसबंदी के कारण महिला को मजबूरीवश तीसरे बच्चे को जन्म देना पड़ा। तदोपरांत महिला ने कलेक्टर सहित जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई और कार्यवाही तथा मुआवजा की मांग की, किन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई। मप्र मानव अधिकार आयोग की क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले को जनहित में संज्ञान लेकर, मप्र मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुए, अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली चालू

जबलपुर, नवभारत। पश्चिम मध्य रेल के अंतर्गत रेल परिचालन को और आधुनिक एवं सुगम बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन, प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर के निर्देशन में एवं मण्डल रेल प्रबंधक के नेतृत्व में भोपाल यूनिट के उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/परियोजना की टीम द्वारा मंडल के कल्हार-बरेठ-गंजबासौदा रेलखंड पर आधुनिक ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली का 09 जून को सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया है। इस दौरान मुख्यालय से मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर, भोपाल मंडल से उप मुख्य संकेत एवं संचार इंजीनियर, मंडल संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर एवं कार्य संपादित करने वाली एजेंसी के मुख्य कार्य निदेशक एवं अन्य रेल्वे अधिकारी उपस्थित रहे। इस परियोजना के शुरू होने से पश्चिम मध्य रेल में रेल संचालन की सुरक्षा, विश्वसनीयता और दक्षता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी तथा भविष्य की बढ़ती यातायात आवश्यकताओं के लिए मजबूत आधार तैयार होगा।

लगभग 19.57 किलोमीटर लंबे इस खंड में अत्याधुनिक ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित की गई है। इसकी निगरानी स्टेशन मास्टर कक्ष में स्थापित वीडियो डिस्प्ले यूनिट के माध्यम से की जाती है। इस प्रणाली के माध्यम से ब्लॉक सेक्शन में अधिक ट्रेनों का संचालन, तेज और कुशलतापूर्वक किया जा सकेगा।

48-कोर ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क हुआ उपलब्ध

परियोजना के अंतर्गत कल्हार-बरेठ तथा बरेठ-गंजबासौदा खंडों में आधुनिक रिले हटों का निर्माण किया गया है। संचार व्यवस्था को विश्वसनीय बनाने के लिए 24 फाइबर ऑप्टिक केबल की रिंग संरचना तथा 48-कोर ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा खंड में 45 ऑटो सिग्नल और 196 डेटा पॉइंट स्थापित किए गए हैं। रिले हटों में डाटा लॉगर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रणाली, स्वचालित अग्नि पहचान एवं अलार्म प्रणाली तथा 25 केवीए क्षमता के ऑटोमैटिक ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं। सभी व्यवस्थाएं आरडीएसओ के निर्धारित मानकों के अनुरूप विकसित की गई हैं। नई प्रणाली के लागू होने से ट्रेनों के बीच सुरक्षित अंतर बनाए रखने, रेल यातायात की क्षमता बढ़ाने तथा समयपालन में सुधार करने में सहायता मिलेगी। साथ ही आधुनिक ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क भविष्य में कवच जैसी उन्नत सुरक्षा प्रणालियों एवं यात्री सूचना प्रणालियों के लिए उच्च गति डेटा संचार उपलब्ध कराएगा।

जनेकृविवि में खाद्यान्न प्रसंस्करण एवं संचयन शोध कृति का विमोचन

नवभारत,जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के पोस्ट हार्वेस्ट प्रोसेस एवं फूड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. व्ही.के. तिवारी व शोध छात्रा सौम्या सैनी की पाथेय संस्था द्वारा प्रकाशित शोधपूर्ण कृति 'खाद्यान्न प्रसंस्करण एवं संचयन चुनौतियाँ एवं समाधान' का विमोचन कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. पी. के. मिश्रा ने कहा कि यह कृति अनाज उत्पादन के बाद उसे सुरक्षित रखने में कारगर सिद्ध होगी। इसमें भण्डारण के बुनियादी सिद्धांतों व तरीकों को सरल रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो पारंपरिक शिक्षा संस्थानों के लिए भी एक मार्गदर्शिका के रूप में उपयोगी हो सकती है।

विभागाध्यक्ष डॉ. व्ही.के. तिवारी के अनुसार अतिशेष उत्पादन के कारण अनाज को कीटो, नमी और बर्बादी से बचाने के लिए वैज्ञानिक विधियाँ और आधुनिक तकनीकें जरूरी हैं। पाथेय संस्था के संयोजक राजेश पाठक प्रवीण ने कहा कि नवीनतम तकनीकी से अनाज लंबे समय तक सुरक्षित रहेगा। विमोचन के दौरान पाथेय संस्था द्वारा कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष डॉ. व्ही.के. तिवारी एवं शोध छात्रा सौम्या सैनी का शॉल-श्रीफल देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव एवं संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. ए. के. जैन, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी. आर.शर्मा, लेखानियंत्रक संजू तिवारी, इंजी. एस. के. जैन और डॉ. बी. एस.द्विवेदी उपस्थित रहे।

अनदेखी

ऑटो की लंबी कतारों ने सड़क की चौड़ाई को कर दिया सीमित

तीनपत्ती पेट्रोल पम्प में अव्यवस्थित ऑटो स्टैंड

नवभारत , जबलपुर । शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के दावे लगातार किए जाते हैं, लेकिन तीन पत्ती स्थित पेट्रोल पम्प के सामने का दृश्य इन दावों की वास्तविकता को सामने लाता है। सड़क में खड़े ई-रिक्शा और ऑटो न केवल यातायात की रफ्तार को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। नवभारत की टीम ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर देखा कि सड़क का एक बड़ा हिस्सा ऑटो और ई-रिक्शा से घिरा हुआ है। इससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है और पैदल चलने वालों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है।

राहगीरों के लिए नहीं बचती सुरक्षित जगह

फुटपाथ और सड़क किनारे वाहनों की मौजूदगी के कारण पैदल चलने वालों को मजबूरी में मुख्य सड़क का सहारा लेना पड़ता है। सुबह और शाम के समय जब यातायात का दबाव अधिक होता है, तब बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए सड़क पार करना जोखिम भरा साबित होता है।

हर घंटे बढ़ता है ट्रैफिक का दबाव

तीन पत्ती शहर का प्रमुख चौराहा है, जहां से सिविक सेंटर, राइट टाउन, मालवीय चौक और कई अन्य महत्वपूर्ण मार्ग जुड़े हुए हैं। सुबह से शाम तक इस मार्ग पर लगातार चार पहिया वाहन, दोपहिया, बसें और ऑटो चलते हैं। ऐसे में सड़क के किनारे खड़े ऑटो यातायात की रफ्तार को धीमा कर देते हैं और थोड़ी सी भी भीड़ जाम में बदल जाती है।

सड़क पर कब्जा, वाहन चालकों की बढ़ी मुश्किलें

सड़क किनारे खड़े ऑटो धीरे-धीरे पूरे लेन पर कब्जा करते दिखाई देते हैं। इससे चार पहिया वाहन और दोपहिया चालकों को एक ही लेन से निकलना पड़ता है। छोटी सी भी भीड़ कुछ ही मिनटों में जाम का रूप ले लेती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार उन्हें इस मार्ग को पार करने में सामान्य से दोगुना समय लग जाता है।

कुलगुरु ने राज्यपाल को दिया दीक्षांत का निमंत्रण

नवभारत, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इसी सिलसिले में सोमवार को कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने लोक भवन में राज्यपाल मंगु भाई पटेल से भेंट की और उन्हें समारोह का औपचारिक निमंत्रण पत्र सौंपा।

आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले इस विशेष गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल होंगी, जिसकी आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। इससे पहले कुलगुरु के आमंत्रण पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी कार्यक्रम में आने की अपनी सहमति दे चुके हैं, जिससे इस पूरे आयोजन की महत्ता काफी बढ़ गई है। समारोह को पूरी तरह सुव्यवस्थित और भव्य बनाने के लिए सुरक्षा, मंच व्यवस्था और मेहमानों के सत्कार से जुड़े सभी कार्यों को संबंधित विभागों द्वारा तेज गति से पूरा किया जा रहा है।

उच्च अधिकारियों ने लिया तैयारियों का जायजा

दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों ने विश्वविद्यालय का दौरा कर व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान जिला कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, एडीशनल एसपी आयुष घाकड़, अपर संचालक कोष एवं लेखा रोहित सिंह कौशल एवं अन्य अधिकारियों ने प्रभारी कुलगुरु प्रो. राकेश बाजपेयी, मुख्य संयोजक प्रो. एस. एस. संधू एवं कुलसचिव डॉ. रविशंकर सोनवाल के साथ-साथ विभिन्न समितियों के संयोजकों से आयोजन के प्रत्येक पहलुओं एवं तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।